दिवाली के बाद शुगर प्राइस में कमी आने के आसार

[जयश्री भोसले । पुणे]

दशहरा और दिवाली ऐसे त्योहार हैं, जब शुगर की मांग आमतौर पर ज्यादा होती है और इसकी कीमतें बढ़ती हैं। हालांकि, आजकल शुगर की कीमतों में गिरावट का ट्रेंड है और दिवाली तक इसके सीमित दायरे में रहने के आसार हैं। जानकारों को दिवाली के बाद भी इसकी कीमतों में गिरावट की उम्मीद है, जबकि इंडस्ट्री का कहना है कि कीमतें स्थिर रह सकती हैं क्योंकि सप्लाई का मामला सीमित होगा।

ट्रेडर्स को शुगर में इनवेस्ट करने में दिलचस्पी नहीं है क्योंकि उनका मानना है कि सरकार कीमतों को बढ़ने नहीं देगी। बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने बताया, 'पिछले 15 दिनों में शुगर की कीमतों में रोजाना मामूली तौर पर गिरावट हुई है क्योंकि मार्केट में इसकी मांग नहीं है। फिलहाल एम-30 ग्रेड शुगर की कीमत 35.80 रुपये से 36.50 रुपये प्रति किलो तक है। हमें उम्मीद है कि दिवाली के आसपास कीमतों में कुछ रिकवरी हो सकती है, लेकिन यह काफी ज्यादा नहीं होगी।'

महाराष्ट्र शुगर मिलें नवंबर से पेराई का काम शुरू करेंगी। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन और केंद्र सरकार ने 2017-18 में शुगर का प्रॉडक्शन तकरीबन 2.5 करोड़ टन रहने का अनुमान जताया है। यह 2016-17 के शुगर प्रॉडक्शन के 2.03 करोड़ के अनुमानों से ज्यादा है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन और केंद्र सरकार ने 2017-18 में शुगर का प्रॉडक्शन तकरीबन 2.5 करोड़ टन रहने का अनुमान जताया है

शुगर इंडस्ट्री इसकी कीमतों को लेकर उत्साहित है, जो पूरे 2016-17 के दौरान ऊंची रहीं और 2017-18 में इसमें ज्यादा गिरावट के आसार नहीं हैं।

शक्ति शुगर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एम मनीकम ने बताया, 'मुमकिन है कि नए सीजन का पेराई सीजन शुरू होने के बाद भी शुगर की कीमतों में गिरावट नहीं हो। हालांकि, 2017-18 में शुगर प्रॉडक्शन में बढ़ोतरी होगी और इसकी खपत में सालाना 2 से 3 पर्सेंट की बढ़ोतरी को देखते हुए यह 2.6 करोड़ टन रहने का अनुमान है।'

3 लाख कच्ची चीनी के इंपोर्ट के दूसरे दौर को लेकर अनिश्चितता है क्योंकि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में शुगर मिलों ने अपना इंपोर्ट कोटा सरेंडर कर दिया है। इन मिलों का दावा है कि 25 पर्सेंट इंपोर्ट ड्यूटी के कारण इसकी इंपोर्ट कॉस्ट काफी ज्यादा हो जाती है।

हालांकि, ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि सप्लाई उतनी कम नहीं पड़ेगी, जितने का अनुमान जताया जा रहा है। लिहाजा, निकट भविष्य में कीमतों में गिरावट हो सकती है।

एडलवाइज एग्री वैल्यू चेन में कमोडिटी रिसर्च की हेड प्रेरणा देसाई ने बताया, 'दिवाली तक शुगर की कीमतें सीमित दायरे में रहने के आसार हैं और अगले 3-4 महीनों में इसमें गिरावट हो सकती है।'

The Economic Times (Hindi)

27/9/17